भारत सरकार

विदेश मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या – 2946

दिनांक 13.08.2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

गाजा संघर्ष पर प्रतिक्रिया

2946 श्री पवन खेड़ा:

क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) अक्टूबर, 2023 से अब तक गाजा संघर्ष से प्रभावित नागरिकों को खाद्य सामग्री, औषधियों और राहत सामग्री सहित भारत द्वारा प्रदान की गई मानवीय सहायता का ब्यौरा क्या है;

(ख) संघर्ष क्षेत्र में मानवीय सहायता की पहुँच सुगम बनाने, युद्धविराम तथा नागरिकों की सुरक्षा के लिए भारत द्वारा की गई राजनयिक पहलों का ब्यौरा क्या है;

(ग) उक्त अवधि के दौरान गाजा संघर्ष से संबंधित संकल्पों पर बहुपक्षीय मंचों में भारत के वोटिंग पैटर्न और आधिकारिक स्थिति का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार ने जारी संघर्ष के भारत के सामरिक, आर्थिक और ऊर्जा संबंधी हितों पर पड़ने वाले प्रभाव का आकलन किया है; और

(ङ) संघर्ष–प्रभावित क्षेत्र में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा तथा वहाँ से उन्हें सुरक्षित बाहर निकालना सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा क्या उपाय किए गए हैं?

उत्तर

विदेश राज्य मंत्री

(श्री कीर्तवर्धन सिंह)

(क) से (ग) भारत द्विपक्षीय रूप से और संयुक्त राष्ट्र के माध्यम से, दोनों तरीकों से फिलिस्तीन के लोगों को मानवीय सहायता प्रदान करता है। अक्टूबर 2023 में संघर्ष की शुरुआत के बाद से, भारत ने अक्टूबर 2023, नवंबर 2023, अक्टूबर 2024 और नवंबर 2024 में चार किस्तों में लगभग 135 मीट्रिक टन मानवीय सहायता प्रदान की है, जिसमें 81.5 मीट्रिक टन दवाएं और चिकित्सा आपूर्ति शामिल हैं। दवाओं की सूची अनुबंध–I में है। भारत ने तत्पश्चात् निकट पूर्व में फिलिस्तीन शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) को कुल15 मिलियन डॉलर भी जारी किए हैं, जिसमें जून 2026 में 2.5 मिलियन डॉलर शामिल हैं। संघर्ष के बाद से यूएनआरडब्ल्यूए को दिए गए भारत के अंशदान का विवरण अनुबंध–II में है। वर्तमान में, फिलिस्तीन सरकार के अनुरोध पर, भारत कैंसर रोधी दवाओं सहित जीवन रक्षक दवाएं भेज रहा है। भारत ने जुलाई 2026 में फिलिस्तीन डोनर ग्रुप की दूसरी मंत्रिस्तरीय बैठक में भी भाग लिया, जिसमें भारत ने फ़िलिस्तीन के लोगों को लगातार अपना समर्थन देने की बात दोहराई।

संघर्ष के दौरान, सरकार ने संबंधित देशों के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए रखा है। प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री ने इस क्षेत्र और दुनिया भर के कई नेताओं से बात की, जिनमें इज़राइल के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री तथा फिलिस्तीन के राष्ट्रपति और विदेश मंत्री शामिल थे। प्रधानमंत्री ने दिनांक22 सितंबर 2024 को न्यूयॉर्क में 'समिट ऑफ़ द फ़्यूचर' के दौरान फ़िलिस्तीन के राष्ट्रपति से मुलाक़ात की और युद्धविराम, बंधकों की रिहाई तथा संवाद और कूटनीति के रास्ते पर लौटने का आह्वान किया। दिनांक13 अक्टूबर 2025 को शर्म अल–शेख में गाज़ा शांति शिखर सम्मेलन में विदेश राज्य मंत्री ने स्थायी शांति की दिशा में सभी प्रयासों के लिए भारत के समर्थन को फिर से दोहराया।

भारत ने दिनांक7 अक्टूबर 2023 को इज़राइल पर हुए आतंकी हमलों और संघर्ष के दौरान नागरिकों की जान जाने की कड़ी निंदा की। भारत ने सुरक्षा की स्थिति पर चिंता व्यक्त की और युद्धविराम, सभी बंधकों की रिहाई और संवाद और कूटनीति के जरिए संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान का आह्वान किया। भारत ने फिलिस्तीन के लोगों को सुरक्षित, समय पर और निरंतर मानवीय सहायता प्रदान करने की आवश्यकता पर जोर दिया। यूएन, ब्रिक्स, एन.ए.एम, वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ आदि जैसे विभिन्न बहुपक्षीय मंचों पर भारत के दृष्टिकोण को दोहराया गया है। बहुपक्षीय मंचों पर भारत का मतदान उपरोक्त स्थिति के अनुरूप रहा है।

(घ) से (ड.) भारत के पश्चिम एशिया के देशों के साथ व्यापक व्यापारिक संबंध हैं और यह क्षेत्र भारत की कच्चे तेल और गैस की आवश्यकता पूरी करने के लिए एक महत्वपूर्ण स्रोत है। सरकार ऊर्जा सुरक्षा और

व्यापार प्रवाह सहित भारत के राष्ट्रीय हित के संरक्षण को सुनिश्चित करने के लिए एक स्पष्ट रणनीति के साथ काम कर रही है। भारत ने अपने ऊर्जा और उर्वरक आयातों को विविधतापूर्ण बनाया है।

सरकार विदेश में भारतीयों की सुरक्षा, संरक्षा और कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। सरकार ने क्षेत्र में होने वाले घटनाक्रमों और सुरक्षा आकलन के आधार पर समय–समय पर परामर्शी जारी की, ताकि भारतीय नागरिकों को अनावश्यक यात्रा से बचने और स्थानीय प्राधिकारियों द्वारा जारी सुरक्षा दिशानिर्देशों का पालन करने के लिए सावधान किया जा सके। भारतीय मिशनों और मुख्यालय में 24x7 नियंत्रण कक्ष संचालित किए गए। इसके अलावा, भारतीय मिशनों ने इन देशों में भारतीय नागरिकों से सक्रिय रूप से संपर्क किया और मेज़बान सरकार के प्राधिकारियों से समन्वय किया ताकि उनकी सुरक्षा, संरक्षा और सुरक्षित भारत वापसी सुनिश्चित हो सके।

अनुबंध– I

क्र.सं.	फ़िलिस्तीन को प्रदान की जाने वाली दवाओं की सूची
1.	आइबुप्रोफ़ेन
2.	एडालिमुमैब
3.	एज़िथ्रोमाइसिन
4.	5– फ्लूरोरासिल
5.	फुलवेस्ट्रेंट
6.	बेवाकिज़ुमैब
7.	बेवाकिज़ुमैब
8.	बेंडामुस्टाइन
9.	पेग एस्परगेज़
10.	डोसेटैक्सेल
11.	जेमसीटाबाइन
12.	विन्क्रिस्टाइन सल्फेट
13.	रसबुरीकेस
14.	एबिरेटेरोन एसीटेट
15.	ऐमियोडैरोन 1
16.	कैलामाइन + जिंकॉक्साइड
17.	सुक्सामेथोनियम एचसीएल
18.	वेकुरोनियम
19.	बुडेनोसाइड + फॉर्मोटेरोल इनहेलर
20.	बुडेनोसाइड इनहेलर
21.	अल्फाकैल्सीडोल कैप
22.	ग्लाइसिन 1
23.	अल्ट्रासाउंड जेल

24.	साइट्रिक एसिड
25.	क्लोपिडोग्रेल
26.	लोरैटैडाइन
27.	एलोप्यूरिनॉल
28.	एमिट्रिप्टिलाइन टैबलेट
29.	एमोक्सीसाईक्लिन
30.	एज़िथ्रोमाइसिन
31.	एज़िथ्रोमाइसिन
32.	कार्बमेज़पाइन
33.	सेफुरोक्साइम
34.	डेपोमेड्रोक्सी प्रोजेस्टेरोन एसीटेट
35.	डायजोक्सिन
36.	फैमोटिडाइन
37.	फ्लुकोनाज़ोल
38.	फ्रुसेमाइड
39.	हैलोपेरीडोल
40.	आइबुप्रोफ़ेन
41.	लोसार्टन पोटेशियम
42.	मेटफॉर्मिन हाइड्रोक्लोराइड
43.	मिथाइलडोपा
44.	मेट्रोनिडाज़ोल
45.	माइकोनाज़ोल नाइट्रेट
46.	पैरासिटामॉल
47.	प्रेडनिसोलोन
48.	रिसपेरीडोन
49.	सोडियम वैल्प्रोएट

50.	जिंक सल्फेट
51.	चिकित्सा उपकरण, चिकित्सा आपूर्ति और सर्जिकल किट

अक्टूबर 2023 से यूएनआरडब्ल्यूए में भारत का अंशदान (यूएसडी में)

दिसंबर 2023	2.5 मिलियन
जून 2024	2.5 मिलियन
दिसंबर 2024	2.5 मिलियन
जून 2025	2.5 मिलियन
दिसंबर 2025	2.5 मिलियन
जून 2026	2.5 मिलियन
कुल	15 मिलियन

*****